प्रेस विज्ञप्ति

बर्मिंघम में आयोजित ऑटम फेयर इंटरनेशनल 2025 में ईपीसीएच की भागीदारी

बर्मिंघम में कॉन्सुल जनरल डॉ. वेंकटाचलम मुरुगन ने किया ईपीसीएच इंडिया पवेलियन का भव्य उद्घाटन

नई दिल्ली – 08 सितंबर 2025 – यूनाइडेट किंगडम के बर्मिंघम में स्थित एनईसी में ऑटम फेयर इंटरनेशनल 2025 का भव्य उद्घाटन हुआ। इस दौरान भारत सरकार के बर्मिंघम स्थित कॉन्सुल जनरल डॉ. वेंकटाचलम मुरुगन ने ईपीसीएच इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कॉन्सुल (वाणिज्य) एवं एचओसी श्री अमन बंसल; हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालय में क्षेत्रीय निदेशक श्री हलदर; ईपीसीएच के क्षेत्रीय संयोजक - उत्तर पश्चिम क्षेत्र एवं सीओए सदस्य श्री गिरीश अग्रवाल और मेले में भाग ले रहे सदस्य निर्यातकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह मेला 07 से 10 सितंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा कि भारत के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है, वह यूनाइटेड किंगडम के बर्मिंघम में आयोजित ऑटम फेयर इंटरनेशनल जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर अपनी अनुपम सांस्कृतिक विविधता, समृद्ध विरासत और शिल्पकला की गौरवशाली परंपरा को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने बताया कि परिषद ने इस मेले में देश के विभिन्न भागों से सदस्य निर्यातकों की सहभागिता सुनिश्चित की है।

भारत सरकार के बर्मिंघम स्थित कॉन्सुल जनरल डॉ. वेंकटाचलम मुरुगन ने उद्घाटन के दौरान भारतीय हस्तशिल्प को वैश्विक बाजारों में पहुंचाने और देश से हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने के लिए परिषद के किए जा रहे लगातार प्रयासों की सराहना की। सीजीआई ने इस दौरान प्रदर्शनी में भाग ले रहे सदस्य प्रतिभागियों से बात की और भविष्य में व्यापारिक प्रोत्साहन के हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

ईपीसीएच अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, "परिषद नियमित रूप से यूनाइटेड किंगडम के बर्मिंघम में आयोजित होने वाले ऑटम फेयर इंटरनेशनल में भाग लेती आ रही है, जो यूके के बाजार की विविधता को समझने का एक सशक्त मंच प्रदान करता है। भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) होने के साथ, प्रगतिशील टैरिफ कटौती, सरल उत्पत्ति नियम और सीमा शुल्क सुगमता, क्रेता-विक्रेता संवादों में विश्वास और पूर्वानुमेयता लाएगी, जिससे लागत कम होगी, निकासी तेज़ होगी, अनुपालन आसान होगा और ब्रिटेन के खुदरा विक्रेताओं के लिए भारतीय आपूर्तिकर्ताओं के साथ बहु-मौसमी उत्पादों, निजी लेबल और डिज़ाइन सहयोग को बढ़ाने की गुंजाइश होगी" डॉ. खन्ना ने आगे कहा, "ऑटम संस्करण में भारत की भागीदारी मेले की जीवंतता और विविधता में वृद्धि करेगी, साथ ही वैश्विक निर्माताओं, खुदरा विक्रेताओं और ब्रांडों को भारतीय वस्त्र, गृह सज्जा और उपभोक्ता उत्पाद उद्योगों में मज़बूत उद्यमशीलता से परिचित कराएगी, जिससे भारत से सोर्सिंग के अवसर खुलेंगे।"

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने यह जानकारी दी की ऑटम फेयर इंटरनेशनल 2025 के अवसर पर, ईपीसीएच ने भारतीय दूतावास और विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के सहयोग से "भारत - हस्तशिल्प सोर्सिंग के लिए एक लाभदायक गंतव्य" विषय पर एक इंटरैक्टिव सत्र का भी आयोजन किया। इस सत्र में वैश्विक खरीदार, सोर्सिंग पेशेवर और भारतीय हस्तशिल्प निर्यातक एक साथ आए ताकि अवसरों की खोज की जा सके, बाजार के रुझानों पर चर्चा की जा सके और वैश्विक हस्तशिल्प मूल्य श्रृंखला में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की स्थिति को उजागर किया जा सके। वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों, व्यापार विशेषज्ञों और अग्रणी प्रदर्शकों ने इस बात पर विचार-विमर्श किया कि कैसे भारत की विविध उत्पाद श्रृंखला, टिकाऊ प्रथाएं और कारीगरी उत्कृष्टता इसे दुनिया भर में सबसे आकर्षक सोर्सिंग स्थलों में से एक बनाती है।

श्री वर्मा ने आगे बताया कि इस संस्करण में ईपीसीएच के 6 सदस्य निर्यातक ईपीसीएच इंडिया पैवेलियन के अंतर्गत भाग ले रहे हैं, जिसमें घरेलू वस्त्र एवं साज-सज्जा, हस्तनिर्मित चमड़े के उत्पाद और फैशन सहायक उपकरण आदि प्रदर्शित किए जा रहे हैं। भारतीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए, ईपीसीएच ने विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालय के सहयोग से मास्टर शिल्पकारों/कारीगरों द्वारा भारतीय पारंपरिक शिल्प के लाइव प्रदर्शन के साथ विषयगत प्रदर्शन की स्थापना भी की है।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि ईपीसीएच देश से दुनिया के विभिन्न गंतव्यों तक हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प वस्तुओं और सेवाओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि को पेश करने वाली एक नोडल संस्थान है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा और 2024-25 के दौरान ब्रिटेन को हस्तशिल्प निर्यात 2562.70 करोड़ रुपये (303.01 मिलियन अमेरिकी डॉलर) था।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच
+91-9810697868

EPCH हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् Connecting. Empowering. Transforming. | EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

Press Release

EPCH MARKED PRESENCE IN AUTUMN FAIR INTERNATIONAL, BIRMINGHAM, UNITED KINGDOM, 07 - 10 SEPTEMBER'2025

DR. VENKATACHALAM MURUGAN, CONSUL GENERAL OF INDIA, BIRMINGHAM, U.K., INAUGURATED EPCH INDIA PAVILION

New Delhi – 08th September'2025 - Autumn Fair International, 2025 got underway at NEC, Birmingham, United Kingdom. The EPCH India Pavilion was inaugurated by Dr. Venkatachalam Murugan, Consul General of India, Birmingham, U.K. in the august presence of Mr. Aman Bansal, Consul (Commerce) & HOC, Mr. Haldar, Regional Director, DC(H); Mr. Girish Agarwal, Regional Convenor – Northwest Region & Member CoA – EPCH and member exhibitors. The fair is being held from 07 - 10 September' 2025. India has a great opportunity to display its unparalleled diversity, rich culture, and long tradition of arts and crafts on a large stage like Autumn Fair International, Birmingham, United Kingdom. The Council has organized participation of member exporters from different parts of the country informed Mr. R. K. Verma, Executive Director – EPCH.

Dr. Venkatachalam Murugan, Consul General of India, Birmingham, U.K. while inaugurating appreciated the continuous efforts of the Council for bringing Indian Handicrafts to the world markets and promotion of handicrafts exports from the country. CGI also interacted with member participants and assured all support in future business promotions.

Dr. Neeraj Khanna, Chairman – EPCH said "the Council regularly exhibits at Autumn Fair International in Birmingham, UK, which provides insight into the U.K. market's versatility. With the India UK Comprehensive Economic and Trade Agreement (CETA), progressive tariff reductions, simpler rules of origin and customs facilitation will brings confidence and predictability to buyer–seller conversations translating into lower costs, quicker clearances, smoother compliance and the headroom for UK retailers to scale multi-season products, private labels and design collaborations with Indian suppliers. Dr. Khanna further added "India's participation in Autumn edition will add to the fair's vibrancy and diversity, as well as familiarise global manufacturers, retailers, and brands with the robust entrepreneurship in the Indian textiles, home furnishing, and consumer products industries, opening up opportunities for sourcing from India".

On the sidelines of Autumn Fair International 2025, EPCH In collaboration with the Embassy of India and the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) also organized an Interactive Session on the theme "India – A Profitable Destination for Sourcing Handicrafts." The session brought together global buyers, sourcing professionals and Indian handicraft exporters to explore opportunities, discuss market trends, and highlight India's position as a trusted partner in the global handicrafts value chain. Senior dignitaries, trade experts and leading exhibitors deliberated on how India's diverse product range, sustainable practices and artisanal excellence continue to make it one of the most attractive sourcing destinations worldwide Informed Mr. R. K. Verma, Executive Director – EPCH.

Mr. Verma further added in this edition, 6 member exporters of EPCH are participating under EPCH India Pavilion displaying Home Textiles & Furnishings, Handmade Leather products and Fashion Accessories etc. To promote Indian Handicrafts, EPCH with the support of O/o Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India has setup Thematic Display with live demonstration of Indian Traditional Crafts by Master Craftspersons / Artisans.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US $ 3,918 Million) and handicrafts exports to UK during 2024-25 was Rs 2562.70 crores (USD 303.01 Million), further informed by Mr. R. K. Verma, Executive Director-EPCH.

For more information please contact:
Mr. R. K. Verma, Executive Director – EPCH
+91-9810697868

Encl: Hindi, English version and photos

Photo 1 & 2: EPCH India Pavilion inaugurated by Dr. Venkatachalam Murugan, Consul General of India, Birmingham, U.K. in the august presence of Mr. Aman Bansal, Consul (Commerce) & HOC, Mr. Haldar, Regional Director, DC(H); Mr. Girish Agarwal, Regional Convenor – Northwest Region & Member CoA – EPCH and member exhibitors at EPCH India Pavilion in Autumn Fair International, Birmingham, U.K.